चुप्पी तोड़
हो अंधेरा घुप्प, मत रहो चुप...
www.chuppitod.com
पाक्षिक समाचार पत्र
चुप्पी तोड़
राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली से प्रसारित
info.chuppitod@gmail.com
वर्ष- 12 | अंक- 09 | बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़) | 01-15 जून, 2026 | RNI. NO. 147753 | पृष्ठ-4 | मूल्य 2 रुपए

राज्यसभा सदस्यों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू, राजस्थान की तीन सीटें हो रही रिक्त

चुप्पी तोड़

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया एक जून को शुरू हो गई। हालांकि भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक राज्य से खाली हो रही तीन सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन कोई भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। उम्मीदवार 8 जून तक अपने नामांकन जमा कर सकते हैं, जबकि कागजों की जांच 9 जून को की जाएगी। वहीं, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 11 जून है और मतदान 18 जून को होगा। विधानसभा के प्रधान सचिव भरत भूषण शर्मा को इन चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

नामांकन पत्र राजस्थान विधानसभा के कमरा नंबर 106 में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच उम्मीदवार या उनके किसी एक प्रस्तावक द्वारा दाखिल किए जा सकते हैं। इस चुनाव का राजनीतिक महत्व बढ़ गया है, क्योंकि राजस्थान से राज्यसभा के तीन सदस्यों, राजेंद्र गहलोत, रवनीत सिंह बिट्टू और नीरज डांगी, का कार्यकाल 21 जून को समाप्त होने वाला है। इनमें से दो सांसद भाजपा के हैं, जबकि डांगी कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं। नामांकन प्रक्रिया जारी होने के साथ ही, भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए विचार-विमर्श तेज कर दिया है। सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने उन राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ चर्चा की, जहां राज्यसभा चुनाव होने हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संभावित उम्मीदवारों पर विस्तार से विचार-विमर्श चल रहा है, और पार्टी की कोर कमेटी भी इस परामर्श प्रक्रिया में शामिल है। दस राज्यों में राज्यसभा की 24 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी सीटें खाली हैं। ऐसे में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पार्टी नेतृत्व के लिए राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हो गई है। राजस्थान में, 200 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा की मौजूदा स्थिति काफी मजबूत है, जिससे वह तीन में से दो सीटें आसानी से हासिल करने की स्थिति में है। भाजपा के विपरीत, राजस्थान कांग्रेस में उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई खास हलचल देखने को नहीं मिली है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अंतिम फैसला नई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान ही लेगा। हालांकि, पार्टी के अंदर संभावित नामों पर चर्चा शुरू हो गई है। पुष्कर में जिला अध्यक्षों के लिए पार्टी के 10-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन के बाद, अब राज्यसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के अधिकारियों ने बताया कि पार्टी के भीतर विभिन्न वर्गों से यह मांग उठ रही है कि नामांकन में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यक समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए। वरिष्ठ नेता भी अपनी दावेदारी के लिए लॉबिंग कर रहे हैं, क्योंकि पार्टी उस एकमात्र सीट के लिए अपने उम्मीदवार का चयन करने की तैयारी में है, जिसके जीतने की उम्मीद उसे अपनी विधानसभा में मौजूद संख्या बल के आधार पर है।

19 बीघा राजकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया

चुप्पी तोड़

कोटपूतली -बहरोड। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार नगर परिषद कोटपूतली द्वारा बुधवार को राजस्व ग्राम चतुर्भुज में राजकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण एवं कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए लगभग 19 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान भू-माफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाकर राजकीय भूमि को मुक्त करवाया गया तथा भूमि की सुरक्षा एवं पुन: अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से तारबंदी के लिए गड्ढे भी खुदवाए गए। इस दौरान राजस्व अधिकारी कृष्ण कुमार यादव, कनिष्ठ अभियंता कृष्ण गुर्जर, कनिष्ठ अभियंता भादर सिंह यादव, सफाई निरीक्षक सहित नगर परिषद के अन्य कार्मिक मौके पर उपस्थित रहे।

जनगणना में आमजन से सहयोग की अपील

चुप्पी तोड़

कोटपुतली-बहरोड़। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत घर-घर सर्वे एवं मकान गणना का कार्य निरंतर जारी है। प्रगणक निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों का सूचीकरण एवं आवश्यक जानकारी का संकलन कर रहे हैं। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि 16 मई 2026 से प्रारंभ हुए इस सर्वे के अंतर्गत प्रगणकों द्वारा प्रत्येक मकान का अंकन कर निर्धारित प्रश्नों के आधार पर जानकारी संकलित की जा रही है। यह जानकारी शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं भविष्य की विकास नीतियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सर्वे के दौरान किसी भी नागरिक से आधार नंबर, बैंक खाता, ओटीपी, फोटो, हस्ताक्षर अथवा अंगूठे के निशान जैसी कोई गोपनीय जानकारी नहीं मांगी जाएगी।

जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने पर जोर

चुप्पी तोड़

कोटपूतली -बहरोड़। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में 19 मई को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के अंतर्गत कार्यों के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि राज्य में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के तहत जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन से जुड़े कार्यों की प्रगति पोर्टल पर नियमित रूप से दर्ज की जा रही है। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुके कार्यों की प्रगति को प्राथमिकता से पोर्टल पर अपडेट किया जाए ताकि जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान को जन आंदोलन के रूप में संचालित करते हुए प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रॉपर्टी में फिर आया बूम

निवेशकों की पहली पसंद बना नीमराना | गुरुग्राम की तर्ज पर हो रहा विकास | तेजी से बढ़ रही प्रॉपर्टी की कीमतें

चुप्पी तोड़

नीमराना। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा नीमराना इन दिनों एक बार फिर प्रॉपर्टी निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। नेशनल हाईवे पर रणनीतिक बसावट, दिल्ली-गुरुग्राम से बेहतरीन कनेक्टिविटी, तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक ढांचा, प्रस्तावित मेट्रो कनेक्टिविटी और नई रेलवे लाइन जैसी परियोजनाओं ने इस क्षेत्र को नया गुरुग्राम बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा दिया है। जापानी कंपनियों के विशेष औद्योगिक क्षेत्र जापानी जोन ने नीमराना को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। देश-विदेश की बड़ी कंपनियों की मौजूदगी के कारण यहां रोजगार, व्यापार और आवासीय जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। यही कारण है कि अब आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक- तीनों प्रकार की प्रॉपर्टी की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है।

मध्य-पूर्व संकट के बाद बढ़ा निवेशकों का रुझान

ईरान-इजरायल-अमेरिका तनाव के बाद मध्य-पूर्व के बाजारों, विशेषकर दुबई जैसे शहरों में अनिश्चितता बढ़ने से बड़े निवेशकों का ध्यान दिल्ली-एनसीआर से सटे क्षेत्रों की ओर तेजी से बढ़ा है। गुरुग्राम, धारूहेड़ा, भिवाड़ी और नीमराना निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना-चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव और शेयर बाजार की अस्थिरता के बीच रियल एस्टेट सबसे सुरक्षित और लाभदायक निवेश माना जा रहा है। इसका सीधा लाभ नीमराना को मिल रहा है।

तेजी से बढ़ रहे प्रॉपर्टी के दाम

नीमराना में पिछले कुछ महीनों के दौरान प्रॉपर्टी कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखी गई है। खासकर कमर्शियल और इंडस्ट्रियल प्रॉपर्टी की कीमतों में दोगुने तक वृद्धि दर्ज की गई है। कस्बे के बीचोंबीच गुजरने वाली मुख्य सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण की तैयारी शुरू हो चुकी है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा निशानदेही किए जाने के बाद मुख्य बाजार के कई हिस्से इसकी जद में आ गए हैं। मुख्य बाजार की अधिकांश दुकानें टूटने की आशंका से व्यापारियों में भविष्य के प्रति चिंता दिख रही है। बाजार की बड़ी संख्या में दुकानें टूटेंगी। ऐसे में व्यापारी अब वैकल्पिक स्थानों की तलाश में जुट गए हैं। इसका सीधा असर अप्रूव्ड कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और व्यवस्थित बाजारों की मांग पर दिखाई दे रहा है।

श्री कृष्णा टॉवर बना व्यापारियों की पसंद

सरकारी अस्पताल, उपखंड कार्यालय और अन्य प्रमुख सरकारी संस्थानों के समीप स्थित श्री कृष्णा टॉवर सहित हाईवे किनारे बने व्यावसायिक परिसरों में दुकानों और शोरूम की मांग तेजी से बढ़ी है। प्रॉपर्टी कारोबारियों के अनुसार श्री कृष्णा टॉवर रीको से अप्रूव्ड है। इस कारण इसके ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें और शोरूम की मांग बेहद ज्यादा है। हालात ये हैं कि इक्का - दुक्का दुकानों को छोड़कर दुकानें न तो खरीदने के लिए उपलब्ध हैं और न ही किराए पर। सेंटर लोकेशन और बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के कारण यहां प्रॉपर्टी की कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है।

तीनों सेक्टर में बढ़ी मांग

आवासीय प्रॉपर्टी: अवैध कॉलोनियों को छोड़कर लगभग सभी अप्रूव्ड आवासीय प्रोजेक्ट्स में खरीदारों की रुचि तेजी से बढ़ी है। नौकरीपेशा लोगों, उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों और निवेशकों की मांग लगातार बढ़ रही है।

व्यावसायिक प्रॉपर्टी: मुख्य बाजार, हाईवे किनारे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और श्री कृष्णा टॉवर जैसी सेंटर लोकेशन वाली दुकानों की मांग सबसे ज्यादा बढ़ी है। किराया और बिक्री दरों में उल्लेखनीय तेजी दर्ज की जा रही है।

औद्योगिक प्रॉपर्टी: रीको फेज-1, फेज-2, EPIP और जापानी जोन में औद्योगिक प्लॉट मिलना बेहद मुश्किल होता जा रहा है। पिछले दो वर्षों में यहां कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। कोलिला क्षेत्र में भी औद्योगिक गतिविधियों के कारण तेजी देखी जा रही है।

15 साल बाद फिर दिख रहा बड़ा प्रॉपर्टी बूम

प्रॉपर्टी एक्सपर्ट्स का कहना है कि नीमराना अब दूसरा बड़ा प्रॉपर्टी बूम देखने जा रहा है। करीब 15 वर्ष पहले जिस प्रकार यहां जमीनों और कमर्शियल प्रॉपर्टी में तेजी आई थी, वैसा माहौल एक बार फिर बनता दिखाई दे रहा है। प्रॉपर्टी कारोबारी नरेश यादव और अमित का कहना है कि वर्तमान समय नीमराना में निवेश के लिए सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। हालांकि उन्होंने निवेशकों को केवल अप्रूव्ड प्रॉपर्टी में ही निवेश करने और अवैध कॉलोनियों से दूर रहने की सलाह दी है।

अवैध कट्स और ओवरलोड वाहनों पर होगी कड़ी कार्रवाई

सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त: यातायात व्यवस्था सुधारने, अतिक्रमण हटाने एवं जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

चुप्पी तोड़

कोटपूतली-बहरोड़। जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने एवं आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए कि पूर्व में बंद किए गए अवैध कट्स को दोबारा खुलने से रोका जाए तथा पुन: संचालित पाए जाने वाले अवैध कट्स को तत्काल प्रभाव से बंद कर जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण को लेकर जिला कलेक्टर ने परिवहन विभाग को नियमित रूप से फील्ड में सक्रिय रहकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के एंट्री प्वाइंट्स पर सघन नाकाबंदी करते हुए ओवरलोड वाहनों को जब्त कर चालान की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव एवं पार्किंग समस्याओं को देखते हुए जिला कलेक्टर ने पुलिस, पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग एवं एनएचएआई की संयुक्त टीम गठित कर यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग व्यवस्था के स्थायी समाधान तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद को सड़क किनारे संचालित ठेलों एवं दुकानों के लिए स्थायी मार्किंग करने तथा व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर ने सड़कों की गुणवत्ता सुधारने, संकेतक बोर्ड एवं साइनेज लगाने, घुमावदार एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर चेतावनी बोर्ड स्थापित करने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एमएसएमई, ओडीओपी व जीआई टैगिंग की दी जानकारी

चुप्पी तोड़

बहरोड। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के सहयोग से राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल लाल विलास में एमएसएमई प्रोत्साहन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओपी सहारण ने कहा कि सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं संचालित कर रही है तथा इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक स्थानीय उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में जयपुर से आए विशेषज्ञ दल के प्रोजेक्ट मैनेजर पंकज कुमार एवं राजेश कुमार ने एमएसएमई योजना, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना, जीआई टैगिंग, एक्सपोर्ट प्रमोशन योजना तथा ग्रीन ऑडिट योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डालते हुए उद्यमियों को अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में उपस्थित उद्यमियों ने योजनाओं के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए सक्रिय भागीदारी निभाई तथा अपने प्रश्नों के समाधान भी प्राप्त किए।

विशिष्ट अतिथि रीको के वरिष्ठ महाप्रबंधक राहुल भट्ट ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को अनुदान एवं ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है, जिसका उद्योगों को भरपूर लाभ उठाना चाहिए बहरोड एसडीएम रामकिशोर मीणा ने कहा कि सरकार उद्योगों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी उद्योग को योजनाओं से संबंधित जानकारी अथवा लाभ प्राप्त करने के लिए जिला उद्योग केंद्र से संपर्क करना चाहिए। नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक ने बताया कि कई बार उद्यमियों को सरकारी योजनाओं की सही एवं पूर्ण जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में विभाग और उद्योगों के बीच संवाद सेतु का कार्य करने वाली यह कार्यशाला अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व नीमराना, घीलोट एवं शाहजहांपुर औद्योगिक क्षेत्रों के उद्योगों को भी ऐसे सेमिनारों के माध्यम से जागरूक किया गया है तथा भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत नगर परिषद कोटपूतली में विशेष शिविर का आयोजन

चुप्पी तोड़

कोटपूतली। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर परिषद कोटपूतली द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर 01 जून 2026 से 30 जून 2026 तक नगर परिषद कार्यालय में आयोजित होगा। कार्यालय अवकाश को छोड़कर शिविर प्रतिदिन संचालित किया जाएगा। नगर परिषद के प्रभारी (एनयूएलएम) अभिषेक सैनी ने बताया कि योजना के तहत छोटे व्यवसाय करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स एवं रेहड़ी-पटरी संचालकों को विभिन्न बैंकों के माध्यम से 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पात्र लाभार्थियों को ब्याज में छूट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के पात्र वेंडर्स इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक लाभार्थियों को शिविर में आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ उपस्थित होना होगा। नगर परिषद प्रशासन ने अधिक से अधिक पात्र वेंडर्स से शिविर का लाभ उठाकर स्वरोजगार को सशक्त बनाने तथा अपनी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की अपील की है। शिविर प्रतिदिन प्रात: 10:15 बजे से सायं 5:00 बजे तक संचालित रहेगा, जहां पात्र आवेदक मौके पर ही आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

क्या आप अपनी संतान के बचपन, सपने,
कॅरियर और उसे खुद को बचाना चाहते हो?
यदि हां तो तुरंत संपर्क करें-
iSKY Career Architect
Call: 9983250019
✡ Brain mapping से बच्चे का Talent पहचानना
✡ क्षमता के अनुसारबच्चे के सपनों/कॅरियर को दें नया आयाम
✡ सही विषय/कॅरियर का निर्धारण
✡ बच्चों की मोबाइल देखने जैसी बुरी आदतें छुड़ाएं
✡ शारीरिक, मानसिक व संस्कारों से मजबूत बनाकर दें खुशहाल व आनंददायक जिंदगी का तोहफा

सम्पादकीय

वैभव चमका, लेकिन ट्रॉफी दूर रह गई आईपीएल-2026 में राजस्थान रॉयल्स नहीं बन सकी चैंपियन

आईपीएल-2026 का सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए अनेक विरोधाभासों से भरा रहा। एक ओर टीम ने पूरे टूर्नामेंट में साहस, युवा ऊर्जा और आक्रामक क्रिकेट का प्रदर्शन किया, दूसरी ओर फाइनल के दरवाजे तक पहुंचे बिना चैंपियन बनने की दौ? से बाहर हो गई। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जिस टीम के पास टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज था, वही टीम अंतिम मुकाबले तक नहीं पहुंच सकी। इस सीजन की सबसे बड़ी कहानी रही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंषी। वे सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र रहे। महज 15 वर्ष की आयु में उन्होंने सबसे कम बॉलों पर सर्वाधिक 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीती। यही नहीं उन्होंने आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने उदयीमान खिलाड़ी सहित पांच पुरस्कार अपने नाम किए। उन्होंने इतनी कम उम्र में रिकॉर्डों का नया रिकॉर्ड बनाया। पूरे देश में उनकी चर्चा हुई और उन्हें आईपीएल-2026 का चेहरा माना गया। लेकिन क्रिकेट केवल एक खिलाड़ी का खेल नहीं है। यह टीम गेम है। इसके सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्षन करें तो ही टीम चैंपियन बनती है। आईपीएल के इस सीजन में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्षन काफी अनिष्चितता भरा रहा। और उसकी वैभव जैसे खिलाड़ी पर निर्भरता बढ़ती चली गई। वैभव के बेहतरीन प्रदर्षन के बावजूद उसको कई बार हार का सामना करना पड़ा। क्वालिफायर-2 में राजस्थान ने 214 रन का मजबूत स्कोर बनाया। वैभव सूर्यवंशी ने 96 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन लक्ष्य का बचाव करते समय राजस्थान की गेंदबाजी और फील्डिंग दोनों कमजोर पड़ गईं। वहीं, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने 104 रन और साई सुदर्षन ने 58 रन बनाकर 167 रन की ओपनिंग साझेदारी कर दी। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज शुरुआती विकेट लेने में विफल रहे और मैच लगभग पावरप्ले तथा मध्य ओवरों में ही हाथ से निकल गया। इसकी तीन प्रमुख वजहें रहीं। पहली, पूरे सीजन में जब वैभव चले, राजस्थान जीत के करीब दिखी। लेकिन मध्यक्रम लगातार वैसी स्थिरता नहीं दे सका जिसकी प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में जरूरत होती है। कई बार टीम का स्कोर एक खिलाड़ी की प्रतिभा पर टिका नजर आया। दूसरा, 214 रन का स्कोर सामान्य परिस्थितियों में जीत दिला सकता था। लेकिन राजस्थान के गेंदबाज गुजरात के शीर्ष क्रम पर दबाव नहीं बना सके। प्लेऑफ में चैंपियन टीमों की पहचान यही होती है कि वे बड़े स्कोर का बचाव कर लें। राजस्थान यहां पिछड़ गई। तीसरा, गुजरात के लिए गिल और सुदर्शन दोनों चले, जबकि राजस्थान के लिए मुख्य रूप से वैभव सूर्यवंशी चमके। नॉकआउट मैच अक्सर उन टीमों के पक्ष में जाते हैं जहां कई खिलाड़ी एक साथ योगदान देते हैं। फिर भी राजस्थान की उपलब्धि छोटी नहीं। उसने तीसरा नंबर हासिल कर अपनी असरदार उपस्थिति दर्ज कराई। प्लेऑफ तक पहुंचना, एलिमिनेटर जीतना और एक ऐसे युवा खिलाड़ी को दुनिया के सामने लाना जिसने रिकॉर्डों की नई परिभाषा लिख दी, अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। आईपीएल- 2026 ने राजस्थान रॉयल्स को ट्रॉफी नहीं दी, लेकिन देष को भविष्य का सितारा जरूर दिया। वैभव सूर्यवंशी की चमक ने पूरे देश को रोमांचित किया। परंतु यह सीजन एक महत्वपूर्ण सबक भी दे गया कि क्रिकेट में महान खिलाड़ी मैच जिता सकते हैं, लेकिन चैंपियनशिप हमेशा महान टीम ही जीतती है। इसलिए भविष्य में चैंपियन बनने के लिए राजस्थान रॉयल्स को अपने सभी खिलाड़ियों को और बेहतर तरीके से तराषना होगा।

युद्धनीति से कूटनीति की राह पर अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच जारी टकराव एक बार फिर यह साबित कर रहा है कि आधुनिक विश्व राजनीति में युद्ध जितना आसान दिखाई देता है, उसका अंत उतना ही जटिल होता है। विडंबना यह है कि दोनों देशों के बीच युद्धविराम लागू होने के बावजूद हमलों और जवाबी कार्रवाइयों का सिलसिला पूरी तरह थमा नहीं है। एक ओर समझौते की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, तो दूसरी ओर सैन्य गतिविधियां यह संकेत दे रही हैं कि अविश्वास की खाई अभी भी गहरी है। जब फरवरी के अंत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था, तब उसके लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी थे। तेहरान में सत्ता परिवर्तन, ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों का अंत तथा क्षेत्रीय सहयोगी संगठनों को मिलने वाले उसके समर्थन को समाप्त करना इस अभियान के घोषित उद्देश्य थे। शुरुआती दौर में अमेरिकी नेतृत्व ने किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना को खारिज कर दिया था और ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की बात कही थी। लेकिन युद्ध का मैदान अक्सर राजनीतिक घोषणाओं से अलग परिणाम देता है।

वास्तव में, तीन महीने बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। जिस अमेरिका ने सैन्य दबाव के जरिए ईरान को झुकाने की रणनीति अपनाई थी, वही अब युद्धविराम को लंबा करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को सामान्य समुद्री यातायात के लिए खोलने के उद्देश्य से बातचीत की मेज पर बैठा दिखाई दे रहा है। प्रस्तावित समझौते के तहत ईरान समुद्री मार्गों को युद्ध-पूर्व स्थिति में बहाल करेगा, जबकि अमेरिका आर्थिक अवरोधों और बंदरगाहों पर लगाए गए प्रतिबंधों को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक सामरिक बदलाव नहीं है, बल्कि अमेरिकी रणनीति की सीमाओं को भी उजागर करता है। युद्ध के दौरान ईरान ने जिस प्रकार फारस की खाड़ी में अमेरिकी हितों को चुनौती दी और होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई, उसने संघर्ष को केवल सैन्य नहीं, बल्कि आर्थिक संकट का रूप दे दिया।

परिणामस्वरूप अमेरिका को यह समझ में आया कि केवल हवाई हमलों और दबाव की राजनीति से अपेक्षित परिणाम हासिल करना संभव नहीं होगा।

सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन अमेरिकी प्राथमिकताओं में दिखाई देता है। युद्ध की शुरुआत में जहां मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और सत्ता परिवर्तन जैसे मुद्दे प्रमुख थे, वहीं अब चर्चा लगभग पूरी तरह परमाणु कार्यक्रम तक सीमित हो गई है। यह वही दृष्टिकोण है, जिसे एक दशक पहले बराक ओबामा प्रशासन ने अपनाया था और जिसके परिणामस्वरूप 2015 का परमाणु समझौता अस्तित्व में आया था। विडंबना यह है कि उस समझौते को 2018 में ट्रंप प्रशासन ने ही समाप्त कर दिया था। आज परिस्थितियां फिर उसी बिंदु पर लौटती प्रतीत हो रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पहलू भी है। ईरान ने लगातार यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह केवल दबाव की भाषा नहीं समझता, बल्कि उसका जवाब भी दे सकता है। अमेरिकी बंदरगाह नाकेबंदी की घोषणा के बाद तेहरान द्वारा वार्ताएं स्थगित करना और अपनी प्राथमिकताओं को पुनर्गठित करना इसी रणनीति का हिस्सा था। अब यदि अमेरिका युद्धविराम के विस्तार और आगे की बातचीत के लिए मध्यस्थों की सहायता ले रहा है, तो यह संकेत है कि ईरान की कठोर कूटनीतिक नीति ने उसे कुछ हद तक लाभ पहुंचाया है और क्षेत्रीय समीकरणों को प्रभावित किया है।

इतिहास भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अमेरिका के 2015 के परमाणु समझौते से बाहर निकलने के समय तक ईरान उसकी शर्तों का पालन कर रहा था। इसके बावजूद समझौता टूट गया, जिससे दोनों देशों के बीच विश्वास का संकट और गहरा हुआ। यही कारण है कि किसी भी नई वार्ता की सफलता केवल दस्तावेजों पर नहीं, बल्कि आपसी भरोसे की पुनर्स्थापना पर निर्भर करेगी। वर्तमान स्थिति एक महत्वपूर्ण सबक भी देती है। सैन्य शक्ति किसी देश को युद्ध शुरू करने की क्षमता तो दे सकती है, लेकिन स्थायी समाधान प्रायः कूटनीति के माध्यम से ही निकलते हैं। यदि अमेरिका वास्तव में क्षेत्रीय स्थिरता और परमाणु विवाद का समाधान चाहता है, तो उसे पारस्परिक सम्मान और रियायतों के आधार पर आगे बढ़ना होगा। यदि बातचीत का उद्देश्य केवल युद्ध में अधूरे रह गए लक्ष्यों को दूसरे माध्यम से हासिल करना हुआ, तो पश्चिम एशिया एक बार फिर लंबे और विनाशकारी संघर्ष की ओर बढ़ सकता है, जिसके व्यापक वैश्विक दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

■ जसवंत सिंह राजपूत

भारत-म्यांमार संबंधों को मिली नई गति

भारत की पड़ोसी देशों के साथ सहयोग को सुदृढ़ करने की नीति को म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग की भारत यात्रा ने नई ऊर्जा प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति के बीच हुई वार्ता केवल औपचारिक कूटनीतिक संवाद नहीं थी, बल्कि यह दोनों देशों के साझा हितों, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत भी है। बैठक के दौरान व्यापार, निवेश, संपर्क-सुविधाओं, विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, सुरक्षा तथा सीमा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। विशेष रूप से 'कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना' और 'भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग' को शीघ्र पूरा करने की प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि दोनों देश क्षेत्रीय संपर्क को विकास का आधार मानते हैं। बेहतर कनेक्टिविटी न केवल व्यापार और निवेश को गति देगी, बल्कि दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच आर्थिक एकीकरण को भी मजबूत करेगी। भारत द्वारा 'मेकांग-गंगा सहयोग' कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या 36 से बढ़ाकर 100 करना भी दूरदर्शी कदम है। इससे शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती मिलेगी तथा दोनों देशों की युवा पीढ़ियों के बीच विश्वास और समझ का विस्तार होगा। सुरक्षा के मोर्चे पर भी दोनों देशों ने स्पष्ट संदेश दिया है। म्यांमार ने आश्वस्त किया है कि उसकी भूमि का उपयोग भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा, जबकि भारत ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। यह परस्पर विश्वास और सहयोग सीमा-पार की चुनौतियों से निपटने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी की 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर' नीतियों के अनुरूप यह संवाद बताता है कि भारत और म्यांमार केवल पड़ोसी नहीं, बल्कि साझा शांति, स्थिरता और समृद्धि के सहभागी हैं। कुल मिलाकर यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो सकती है।

सशक्त गांवों से साकार होगा विकसित भारत का सपना

आगामी एक जुलाई 2026 भारतीय ग्रामीण विकास की दिशा में एक नए युग की शुरुआत का दिन होगा। इसी तिथि से 'विकसित भारत-गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025' (व्हीबी-जी रामजी जी) लागू होगा। यह केवल किसी पुरानी योजना का विकल्प नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की बदलती सोच और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का परिचायक है। इसका उद्देश्य अस्थायी रोजगार उपलब्ध कराने से आगे बढ़कर गांवों की स्थायी आर्थिक क्षमता को मजबूत करना है।

बेशक, लगभग दो दशकों तक मनरेगा ने ग्रामीण भारत को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की। संकट के समय इसने करोड़ों ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आय का सहारा दिया। लेकिन आज ग्रामीण भारत बदल चुका है। गांव अधिक जुड़े हुए हैं, अवसर बढ़े हैं और लोगों की अपेक्षाएं भी नई ऊंचाइयों तक पहुंची हैं। अब ग्रामीण समाज बेहतर आधारभूत ढांचा, आधुनिक कृषि, स्थानीय रोजगार और स्थायी आय के अवसर चाहता है। नया मिशन इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें रोजगार सुरक्षा को परिसंपत्ति निर्माण, स्थानीय विकास योजनाओं और ग्रामीण ढांचे के सुदृढ़ीकरण से जोड़ा गया है। इसका लक्ष्य गांवों को सहायता पर निर्भर रखने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर व उत्पादक बनाना है। गौरतलब है कि महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज का विचार आत्मनिर्भरता, स्थानीय भागीदारी और सामुदायिक सशक्तिकरण पर आधारित था। आज जब भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब यह सोच और भी प्रासंगिक हो जाती है। विकसित भारत की नींव केवल शहरों की प्रगति पर नहीं, बल्कि गांवों की समृद्धि पर भी टिकी होगी। इसी दृष्टि से विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं को विशेष महत्व दिया गया है। स्थानीय समुदायों और पंचायतों की भागीदारी से विकास योजनाएं क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप बनेंगी। इससे समाधान जमीनी आवश्यकताओं के आधार पर तैयार होंगे और विकास अधिक प्रभावी बन सकेगा।

इस मिशन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पात्र ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन प्रतिवर्ष कर दी गई है। साथ ही वर्तमान जॉब कार्ड मान्य रहेंगे, चालू कार्य बाधित नहीं होंगे व ई-केवाईसी जैसी प्रक्रियाएं श्रमिकों के रोजगार में बाधा नहीं बनेंगी। इस नई व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष टिकाऊ ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण है। जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़कें, भंडारण केंद्र, आजीविका संबंधी ढांचा और जलवायु-अनुकूल परियोजनाएं इसके केंद्र में हैं। ऐसे कार्य केवल तत्काल रोजगार नहीं देते, लंबे समय तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती भी प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, तकनीक का उपयोग इस मिशन को अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाएगा। रियल-टाइम निगरानी, जियो-टैगिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। समय पर मजदूरी भुगतान और प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था श्रमिकों का विश्वास बढ़ाएगी। कुल मिलाकर आगामी वर्षों में भारत की विकास गाथा गांवों के उत्थान से ही लिखी जाएगी। सशक्त पंचायतें, उत्पादक कृषि, स्थानीय उद्यमशीलता और मजबूत आधारभूत ढांचा विकसित भारत की आधारशिला बनेंगे। इस दृष्टि से यह नया ग्रामीण विकास ढांचा महात्मा गांधी के ग्राम-शक्ति के विचार और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला एक अहम कदम है।

■ हरिनारायण मिश्रा

कॅरियर आर्किटेक्ट

डर के पार लाखों का कॅरियर

डिग्री से ज्यादा जिगरा जरूरी

अगर कोई आपसे कहे कि महीने की कमाई दो लाख रुपए से ऊपर है, तो शायद ज्यादातर लोग बिना सवाल किए हामी भर दें। लेकिन जॉब मार्केट की सच्चाई इससे थोड़ी अलग है। कुछ ऐसी नौकरियां हैं, जहां पैसा वाकई पानी की तरह बरसता है, फिर भी लोग उनसे दूरी बनाए रखते हैं। वजह है काम का अजीब और जोखिमपूर्ण होना। इन जॉब्स के लिए डिग्री से ज्यादा जिगर चाहिए।

आज का युवा सरकारी नौकरी, कॉर्पोरेट या आईटी सेक्टर को ही सफलता की कसौटी मानता है, जबकि समानांतर दुनिया में कुछ ऐसे पेशे भी फल-फूल रहे हैं, जिनमें काम करने वालों की भारी कमी है। दिलचस्प यह है कि विकसित देशों के साथ-साथ अब भारत के बड़े शहरों में भी इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है।

एम्बामर: मौत के बाद की जिंदगी का पेशा

एम्बामर का काम अंतिम संस्कार से पहले शव को सुरक्षित रखना होता है। केमिकल्स के जरिए शरीर को संरक्षित करना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, लेकिन भावनात्मक रूप से यह काम आसान नहीं। अमेरिका और यूरोप में यह प्रोफेशन बेहद सम्मानित और महंगा माना जाता है। भारत के महानगरों में भी इसकी जरूरत बढ़ रही है। कुशल एम्बामर महीने में 2 से 3 लाख रुपए तक कमा लेते हैं, लेकिन शवों के साथ काम करने की सोच ही ज्यादातर लोगों को रोक देती है।

पेट फूड टेस्टर: नाम अजीब, कमाई दमदार

पालतू जानवरों के खाने की गुणवत्ता जांचने के लिए कंपनियां इंसानी टेस्टर्स रखती हैं। इन्हें स्वाद, टेक्सचर और पौष्टिकता पर रिपोर्ट देनी होती है। फूड साइंस की समझ रखने वालों को इसके लिए लाखों का पैकेज मिलता है। बावजूद इसके, जानवरों का खाना चखने की मानसिक बाधा लोगों को इस पेशे से दूर रखती है।

गल्फ कमर्शियल डाइवर: जोखिम के बदले मोटी रकम

समुद्र की गहराइयों में तेल पाइप लाइन सुधारना या जहरीले कचरे के बीच काम करना हर किसी के बस की बात नहीं। जान का खतरा बहुत अधिक होता है, इसलिए कंपनियां एक महीने के लिए 5 से 10 लाख रुपए तक देने को तैयार रहती हैं। रोमांच और जोखिम का यह मेल चुनिंदा लोग ही स्वीकार करते हैं।

ड्रेनेज और वेस्ट मैनेजमेंट एक्सपर्ट

आधुनिक दौर में सीवर सफाई अब सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि तकनीकी विशेषज्ञता का काम है। रोबोटिक मशीनों और गैस कंट्रोल सिस्टम के साथ काम करने वाले एक्सपर्ट्स को विदेशों में काफी पैसा मिलता है। सामाजिक धारणा इस पेशे की सबसे बड़ी बाधा है।

लाइन स्टैंडर: समय बेचने का नया तरीका

न्यूयॉर्क, लंदन जैसे शहरों में आईफोन लॉन्च या बड़े इवेंट्स के लिए लोग लाइन में लगने के पैसे देते हैं। प्रति घंटे हजारों रुपए की कमाई होती है। भारत में भी यह चलन धीरे-धीरे दस्तक दे रहा है।

नन्हे कदम, बुलंद हौसले

कैसे जगाएं बच्चों में आत्मविश्वास?

कई बार हम देखते हैं कि प्रतिभा होने के बावजूद कुछ लोग जीवन की दौड़ में पीछे रह जाते हैं। वजह सिर्फ एक होती है, आत्मविश्वास की कमी। वहीं, कम अनुभव या साधारण योग्यता रखने वाले लोग सिर्फ अपने कॉन्फिडेंस के दम पर बड़े अवसर हासिल कर लेते हैं। सच तो यह है कि आत्मविश्वास कोई जादू नहीं जो रातों-रात आ जाए; यह बचपन से डाले गए छोटे-छोटे संस्कारों और आदतों का परिणाम होता है। यदि बचपन में ही बच्चे के मन में भरोसे का दीप जला दिया जाए, तो वही रोशनी आगे चलकर उसके व्यक्तित्व को उज्ज्वल बना देती है।

अक्सर माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं, खासकर तब जब बच्चा झिझकता हो या खुलकर अपनी बात न रख पाता हो। ऐसे में कुछ सरल, लेकिन प्रभावी कदम बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं।

प्रशंसा का जादू

बच्चे ने कोई भी काम सही ढंग से किया हो, चाहे वह छोटा ही क्यों न हो, उसकी सराहना अवश्य करें। प्रशंसा बच्चे के मन में यह विश्वास भरती है कि उसकी कोशिशों की कद्र हो रही है। साथ ही उसे यह भी समझाएं कि जीत-हार से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका प्रयास है। इससे असफलता का भय कम होता है और बच्चा नए प्रयोग करने का साहस जुटाता है।

निर्णय लेने की आजादी

हर समय निर्देश देना बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को सीमित कर देता है। उन्हें छोटे-छोटे फैसले खुद लेने दें, क्या पहनना है, कौन-सा नाश्ता चुनना है या किस खिलौने से खेलना है। ये मामूली निर्णय उनके भीतर जिम्मेदारी और आत्मविश्वास दोनों को मजबूत करते हैं।

नये कौशलों की सीख

जब बच्चा नई चीजें सीखता है तो उसे अपने भीतर एक अलग ही ऊर्जा महसूस होती है। जूते के फीते बांधना, अपना बैग खुद तैयार करना या खाने की प्लेट सजाना, ये छोटे कौशल उसके व्यक्तित्व में आत्मनिर्भरता जोड़ते हैं। हर नई सीख उसके आत्मविश्वास में एक नई ईंट की तरह जुड़ती जाती है।

खुलकर बोलने का अवसर

जिन बच्चों को बार-बार टोका जाता है, वे धीरे-धीरे संकोची हो जाते हैं। उन्हें अपनी बात कहने दें, ध्यान से सुनें और गलती होने पर प्यार से सुधारें। यह अभ्यास उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने का साहस देता है।

डांट नहीं, सकारात्मक नजरिया

लगातार डांट बच्चे के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है। अनुशासन जरूरी है, लेकिन स्नेह और सकारात्मकता के साथ। जब बच्चा घर में सुरक्षित और सम्मानित महसूस करता है, तभी उसका आत्मविश्वास पंख फैलाता है। याद रखिए, आत्मविश्वास कोई विरासत नहीं, यह एक उपहार है, जो सही मार्गदर्शन और प्रेम से हर बच्चे को दिया जा सकता है।

राजस्थान की शान एक ऐसी कला इसमें औजार नहीं, नाखून हैं जरूरी

शादियों और उत्सवों में अगर आपने राजस्थानी बंधेज नहीं पहना, तो आपका श्रृंगार अधूरा सा लगता है। नाखूनों के जादू और

चटक रंगों के संगम से तैयार यह साड़ियां न केवल परंपरा का प्रतीक हैं, बल्कि मॉडर्न फैशन में भी खास जगह रखती हैं।

पार्टियों की रौनक और राजस्थानी ठाठ: ठंड की दस्तक के साथ ही शादियों और पार्टियों का दौर शुरू हो जाता है। ऐसे में महिलाओं के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि भीड़ से अलग दिखने के लिए क्या पहना जाए? जब बात ट्रेडिशनल और रॉयल लुक की हो, तो राजस्थानी डिजाइन की साड़ियों का जिक्र होना लाजिमी है। वैसे तो गुजरात और राजस्थान में कई तरह की साड़ियां डिजाइन की जाती हैं, लेकिन बंधानी या बंधेज साड़ी की बात ही निराली है। यह न केवल भारतीय महिलाओं को बल्कि विदेशी सैलानियों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है।

सुई-धागा नहीं, नाखूनों का है जादू

बंधानी साड़ी को बनाने के लिए किसी भारी मशीन की नहीं, बल्कि कारीगर के नाखूनों की आवश्यकता होती है। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन सच है। इस कला को अंजाम देने वाले कारीगर अपने नाखून लंबे रखते हैं ताकि वे कपड़े को बेहद बारीकी और सटीकता के साथ पकड़कर धागे से बांध सकें। कपड़े के जिस हिस्से को धागे से बांध दिया जाता है, वहां रंग नहीं चढ़ता और बाकी हिस्सा रंगीन हो जाता है। गांठ जितनी छोटी और बारीक होती है, साड़ी की कीमत और सुंदरता उतनी ही अधिक होती है। इसे ही टाई एंड डाई तकनीक कहा जाता है।

सिंधु घाटी से जुड़े हैं तार

बंधानी प्रिंट का इतिहास आज का नहीं, बल्कि सदियों पुराना है। बंधानी शब्द की उत्पत्ति बंधन से हुई है, जिसका अर्थ है बांधना। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि इस कला के तार सिंधु घाटी सभ्यता से भी जुड़े हैं। माना जाता है कि हजारों साल पहले इसकी शुरुआत गुजरात में खत्री समुदाय द्वारा की गई थी। वहां से निकलकर यह कला राजस्थान के शेखावाटी, जोधपुर, जयपुर, बगरू और लाडनू जैसे क्षेत्रों में फली-फूली। आज यह कला गुजरात और राजस्थान से निकलकर पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी है।

परंपरा से निकलकर रैंप वॉक तक

कभी केवल साड़ियों तक सीमित रहने वाला बंधेज आज दुपट्टे, ओढ़नी, सूट और लहंगों के साथ-साथ वेस्टर्न वियर में भी नजर आने लगा है। बॉलीवुड की हसीनाओं से लेकर कॉलेज जाने वाली लड़कियों तक, जयपुरिया दुपट्टा फैशन का अहम हिस्सा बन चुके हैं। आमतौर पर लाल या नीले रंग की पृष्ठभूमि पर सफेद और पीली बिंदियों के पैटर्न बनाए जाते हैं। पहले जहां केवल ज्यामितीय आकृतियां पसंद की जाती थीं, वहीं अब फूलों के डिजाइन, पशु-पक्षियों के प्रिंट और यहां तक कि रासलीला के दृश्य भी उकेरे जाने लगे हैं।

सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही -यादव

समर कैंप 2026 का शुभारंभ, 609 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मिलेगा उन्नत प्रशिक्षण

चुप्पी तोड़

बहरोड। अलवर सांसद खेल उत्सव 2025-26 के अंतर्गत आयोजित समर कैंप 2026 का भव्य शुभारंभ आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, बहरोड़ में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव, प्रदेष के युवा मामले और खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा तथा भारतीय ओलंपिक पदक विजेता एवं पद्मश्री सम्मानित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी योगेश्वर दत्त की उपस्थिति में किया गया।

भूपेंद्र यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। युवाओं को खेलों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद खेल उत्सव एवं समर कैंप जैसे नवाचारात्मक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए फिट इंडिया और ष्खेलों इंडियाष् के संदेश के माध्यम से देशभर में खेलों को बढ़ावा मिला है तथा खेल भावना व्यक्ति को हर परिस्थिति में सकारात्मक बनाए रखती है। उन्होंने कहा कि ष्हार तब होती है जब मन से हार जायें, मन को मजबूत बनायें, संकल्प लेकर आगे बढ़े, अनुशासन के साथ लक्ष्य की प्राप्ति करेंष्। भूपेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय भागीदारी करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। यादव ने अलवर सांसद खेल उत्सव का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों से आयोजित इस खेल उत्सव ने क्षेत्र की हजारों प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। विभिन्न खेलों में युवाओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए हॉकी के लिए एस्ट्रोटर्फ, कुश्ती स्टेडियम सहित कई विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने गांव स्तर पर ग्रामीण के सहयोग से कबड्डी स्टेडियम एवं ट्रैक विकसित करने की भी बात कही।

सांसद खेल उत्सव से क्षेत्र की प्रतिभाओं को मिला मंच- शर्मा

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सांसद खेल उत्सव ने क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने और उचित मंच प्रदान करने का कार्य किया है। लगातार युवाओं का इसके प्रति रुझान बढ़ रहा है। माननीय सांसद महोदय के प्रयासों से क्षेत्र के बच्चे राष्ट्र स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल के साथ साथ अन्य क्षेत्रों में भी क्षेत्र लगातार आगे बढ़ रहा है, केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार क्षेत्र को उन्नति की और अग्रसर कर रही है।

खेल प्रतिभाओं को नई पहचान और आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिलेगा- दत्त

ओलंपियन योगेश्वर दत्त ने प्रतिभागियों को शुभकामाएं देते हुए कहा कि समर कैंप 2026 केवल खेल प्रशिक्षण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान और आगे बढ़ने का सशक्त मंच मिलेगा। उन्होंने अपने साझा करते हुए बताया कि खेल सांसद उत्सव में दी जा रही उत्तम सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपने कौशल को निखारें एवं देश व क्षेत्र का नाम रोशन करें। माननीय सांसद महोदय एवं उनकी टीम द्वारा किया जा रहा कार्य सराहनीय है, इससे प्रेरणा लेते हुए युवाओं को खेलों में और आगे आना चाहिए।

अलवर सांसद खेल उत्सव ने वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में उल्लेखनीय विस्तार और सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2024 में जहां 11 खेल मैदानों पर 11 खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ था और लगभग 18 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया था, वहीं वर्ष 2025 में खेल मैदानों की संख्या बढ़ाकर 18 कर दी गई तथा खेल विधाओं का विस्तार कर 14 किया गया। प्रतिभागियों की संख्या में भी रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2024 में लगभग 18 हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 40 हजार से अधिक हो गई। इसी प्रकार कुल टीमों की संख्या 1060 से बढ़कर 1459 पहुंच गई। इस वर्ष बैडमिंटन, बॉक्सिंग और योग जैसी नई खेल विधाओं को भी शामिल किया गया, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विशेष बात यह रही कि खेल उत्सव में खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय, भारत सरकार की टैलेंट फाइंडिंग यूनिट द्वारा प्रतिभाओं की निगरानी की गई, जिससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध हुए।

सांसद खेल उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 609 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन समर कैंप 2026 के लिए किया गया है। वर्ष 2025 में आयोजित प्रथम समर कैंप में 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जबकि वर्ष 2026 के लिए प्रतिभागी खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 609 हो गई है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पंजीकरण शुल्क निर्धारित होने के बावजूद खिलाड़ियों का उत्साह और सहभागिता बढ़ी है वर्ष 2025 में अलवर स्थित एलआईईटी कॉलेज, चिकानी में आयोजित कैंप में 7 राज्यों से आए 29 प्रशिक्षकों ने 9 खेल विधाओं में प्रशिक्षण दिया था। वहीं इस वर्ष आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, बहरोड़ में आयोजित कैंप में 9 राज्यों से आए 33 प्रशिक्षक 14 खेल विधाओं में खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञ प्रशिक्षक खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीकों से प्रशिक्षित करेंगे।

खेल प्रशिक्षण के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष फोकस

समर कैंप 2026 में खिलाड़ियों को सुबह और शाम नियमित खेल प्रशिक्षण के साथ संतुलित आहार, फिजियोथेरेपी और खेल-केंद्रित तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, आत्मरक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता, लैंगिक संवेदनशीलता तथा नेतृत्व क्षमता से संबंधित विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। कैंप के दौरान खिलाड़ियों को सैन्य अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना से परिचित कराने के लिए सीआईएसएफ परिसर, बहरोड़ का भ्रमण भी कराया जाएगा। इससे खिलाड़ियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का विकास होगा। समर कैंप में खिलाड़ियों के लिए 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, नियोजित एवं संतुलित आहार, समर्पित फिजियोथेरेपिस्ट तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि खिलाड़ी सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण में अपने कौशल का विकास कर सकें।

खिलाड़ियों का सम्मान

इस अवसर पर अतिथियों ने चीन में आयोजित एशियन बीच गेम्स में कबड्डी प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले मुंडावर निवासी खिलाड़ी जय भगवान, नेशनल व्हील चेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले जुबेर खान एवं 400 मीटर पैरा दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सुनील कुमार साहू का दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में देवीसिंह शेखावत विधायक बानसूर, सुखवंत सिंह विधायक रामग?, राजेन्द्र यादव पूर्व मंत्री, महासिंह जिला अध्यक्ष अलवर उत्तर, अशोक गुप्ता जिला अध्यक्ष अलवर दक्षिण, मोहित यादव अध्यक्ष राजस्थान क्रिकेट संघ, नितिन सांगवान अध्यक्ष सरस डेयरी अलवर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, एडीएम ओमप्रकाश सहारण सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

हार नहीं माने, सीख लेकर आगे बढ़ते रहे- कर्नल राज्यवर्धन

मंत्री राठौड़ ने कहा कि खेल सांसद उत्सव ने क्षेत्र के युवाओं में छुपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करने का कार्य किया है, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कोच, खेल सुविधाएं, ट्रेक, मैदान उपलब्ध होने से क्षेत्र का राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन होगा। उन्होंने युवाओं से इन सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपनी प्रतिभा का और निखारने का आव्हान किया। श्री राठौड़ ने कहा माननीय प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने की दिशा में सरकार द्वारा 10 से 14 साल के बच्चों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान कर ओलंपिक खेलों के लिए तैयार करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने अपने ओलंपिक के दिनों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि हार से कभी निराश नहीं होना चाहिए, हार से सीख लेते हुए सदैव आगे बढ़े।

सम्भागीय आयुक्त ने कोटपुतली शहर एवं बीडीएम अस्पताल का किया निरीक्षण

स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन एवं चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

चुप्पी तोड़

कोटपूतली -बहरोड। सम्भागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार ने सोमवार को नगर परिषद कोटपुतली क्षेत्र का दौरा कर शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन एवं आमजन को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने पुतली कट से अग्रसेन तिराहा, मेन मार्केट, ज्योतिबा फुले सर्किल, बानसूर रोड एवं कलेक्ट्रेट रोड क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरा निस्तारण व्यवस्था तथा सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना नगर परिषद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सम्भागीय आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित सफाई के साथ-साथ कचरा संग्रहण व्यवस्था को पूर्णतः व्यवस्थित रखा जाए तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। इसके पश्चात सम्भागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार ने जिला राजकीय बीडीएम अस्पताल, कोटपुतली का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, दवा वितरण प्रणाली एवं उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पुख्ता रखने, ओआरएस काउंटर सक्रिय बनाए रखने तथा मरीजों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उपचार एवं सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा पात्र मरीजों को योजनाओं से अधिकतम लाभान्वित किया जाए। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. पुष्कर राज गुर्जर ने सम्भागीय आयुक्त को अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकीय स्टाफ, चिकित्सा उपकरणों, लैब सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी। सम्भागीय आयुक्त ने अस्पताल प्रबंधन को सेवाओं की गुणवत्ता निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध -पटेल

पावटा उप जिला चिकित्सालय में बीपीएचयू लैब का लोकार्पण, अब 122 प्रकार की जांचें होंगी नि:शुल्क

चुप्पी तोड़

पावटा। क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 20 मई बुधवार को पावटा स्थित उप जिला चिकित्सालय में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) लैब का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अत्याधुनिक लैब के प्रारंभ होने से अब क्षेत्र के आमजन को 122 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचें पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध हो सकेंगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय कार्य विभाग, विधि एवं विधिक कार्य तथा न्याय विभाग के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने फीता काटकर एवं पट्टिका का अनावरण कर लैब का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों से अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-ढाणी तक सुदृढ एवं सुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को बेहतर उपचार, जांच एवं दवाइयों की सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हों, ताकि किसी भी व्यक्ति को आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि बीपीएचयू लैब का शुभारंभ इसी सोच का परिणाम है, जिससे अब पावटा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय अस्पतालों में नि:शुल्क जांच एवं दवा योजनाओं को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं राजस्थान सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से लाखों परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार चिकित्सा संस्थानों में आधुनिक उपकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, आधारभूत ढांचे के विस्तार एवं डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता केवल भवनों और मशीनों से नहीं, बल्कि चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की संवेदनशीलता और सेवा भावना से तय होती है।

बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं एवं ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं में लाएं तेजी

चुप्पी तोड़

कोटपूतली-बहरोड। माननीय राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार तथा जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चैधरी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बजट घोषणाओं, राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, समर कंटिंजेंसी प्लान, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में संभागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार, जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रभारी मंत्री चैधरी ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

ग्रीष्मकालीन व्यवस्थाओं को लेकर दिए स्पष्ट निर्देश

ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को खराब ट्यूबवेल, लीकेज युक्त जल टंकियों, पम्पसेट एवं अन्य जलापूर्ति व्यवस्थाओं की तत्काल जांच कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी मशीनरी पूर्ण रूप से सक्रिय रखी जाए तथा आवश्यकता अनुसार पर्याप्त टैंकर व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं में शेष पाइपलाइन कार्य शीघ्र पूर्ण करने, मोटर पम्पों की मरम्मत के प्रस्ताव तत्काल भेजने तथा समर कंटिंजेंसी के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, ट्रिपिंग एवं फॉल्ट संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान करने तथा आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने को कहा। प्रभारी मंत्री ने चिकित्सा विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि बढ़ती गर्मी के मद्देनजर हीट वेव, लू एवं मौसमी बीमारियों की संभावनाओं को देखते हुए चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखी जाएं। उन्होंने पर्याप्त दवा भंडारण, चिकित्सकीय संसाधनों की उपलब्धता एवं मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन को मौसम जनित बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक करने पर भी जोर दिया।

पंच गौरव एवं हरियालो राजस्थान अभियान की हुई समीक्षा

बैठक में पंच गौरव के अंतर्गत संचालित गतिविधियों एवं हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि इन अभियानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए व्यापक जनसहभागिता एवं प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि जिले के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

बजट घोषणाओं को गुणवत्ता एवं समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश

जिला प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं से संबंधित कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। उन्होंने फ्लैगशिप योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। नगर निकायों की समीक्षा करते हुए उन्होंने साफ-सफाई एवं कचरा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं मानक अनुरूप बनाने के निर्देश भी प्रदान किए। जिला प्रभारी सचिव ने सम्पर्क पोर्टल के परिवादों को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में गति लाने और कार्य धरातल पर शीघ्र उतारने को कहा जिससे आमजन को लाभ पहुंचाया जा सके। बैठक में जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने बजट घोषणाओं, विकास कार्यों, फ्लैगशिप योजनाओं एवं समर कंटिंजेंसी प्लान की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जगदीश प्रसाद, एसडीएम योगेश देवल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता-प्रभारी मंत्री

वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान 2026 का शुभारंभ, जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चैधरी ने सांगटेडा के पीला जोहड से किया अभियान का आगाज

चुप्पी तोड़

कोटपूतली-बहरोड। प्रदेश में जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण एवं पर्यावरण संवर्धन को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा एवं पहल पर गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सोमवार को वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान 2026 का जिला स्तरीय शुभारंभ ग्राम सांगटेडा स्थित पीला जोहड़ से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग तथा जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चैधरी रहे।

जिला स्तरीय समारोह में कोटपुतली संभागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार, जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता, उपखंड अधिकारी योगेश कुमार देवल, अधीक्षण अभियंता वाटरशेड ताराचंद सहित जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी, सामाजिक संगठन, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पीला जोहड़ पर विधिवत जल एवं वृक्ष पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पीपल, नीम एवं बरगद के पौधों का पौधारोपण किया गया। महिलाओं द्वारा पारंपरिक कलश यात्रा निकालकर जल संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित

महिलाओं एवं आमजन को पीपल के पौधों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चैधरी ने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया।

वंदे गंगा अभियान को जनभागीदारी से जन आंदोलन बनाना है-प्रभारी मंत्री

जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चैधरी ने अपने संबोधन में कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 25 मई से 5 जून तक चलाया जा रहा वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज जल संचयन एवं संरक्षण की परंपराओं को जीवन का हिस्सा मानते थे। आज आवश्यकता है कि हम पुनः उन परंपराओं को अपनाते हुए वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण करें तथा कुएं, बावड़ी, तालाब, टांके एवं अन्य जल स्त्रोतों को संरक्षित करें। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व अभियान में 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई थी। इस वर्ष भी अधिकाधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए एवं उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं, किसानों, स्वयंसेवी संगठनों, पत्रकारों, एनसीसी, सिविल डिफेंस, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। अभियान के दौरान रथ यात्राएं, प्रभात फेरियां, नुक्कड़ नाटक, कलश यात्राएं एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय संस्कृति में जल स्त्रोत, वृक्ष पूजनीय हैं-प्रभारी सचिव

संभागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवण कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जल स्त्रोतों एवं वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। उन्होंने कहा कि सह-अस्तित्व की भावना के साथ जल एवं पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने की अपील की।

भूजल स्तर बढ़ाना एवं जल संचयन अभियान का मुख्य उद्देश्य-जिला कलक्टर

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य भूजल स्तर में वृद्धि, वर्षा जल संचयन तथा जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा करना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिलेभर में जल संचय संरचनाओं का निर्माण, पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार, साफ-सफाई, पौधारोपण, जल संरक्षण रैलियां एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, जल शक्ति अभियान, हरियालो राजस्थान एवं कर्मभूमि से मातृभूमि जैसे अभियानों को भी जोड़ा गया है। जिले के सभी उपखंडों, ग्राम पंचायतों एवं वार्ड स्तर तक विशेष गतिविधियों का आयोजन कर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान जयपुर उत्तर अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम योगेश देवल, एसीईओ जिला परिषद एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश प्रसाद, अधीक्षण अभियंता वाटरशेड ताराचंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बेंगलुरु लगातार दूसरी बार IPL चैंपियन

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार दूसरी बार IPL जीत लिया है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। 156 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बेंगलुरु ने 2025 में इसी मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था। वह लगातार दो IPL ट्रॉफी जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस भी ऐसा कर चुकी हैं।

आमजन को मिले सुलभ एवं समयबद्ध न्याय

चुप्पी तोड़

कोटपूतली-बहरोड। जिले के न्यायक्षेत्र पावटा में नवीन न्यायालय भवन के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन 21 मई गुरुवार को मुख्य अतिथि राजस्थान के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीष संजीव प्रकाश शर्मा, ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर नवीन न्यायालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर न्यायाधीष आशुतोष कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीष संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि नवीन न्यायालय भवन का निर्माण न्यायिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लगभग 3 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह भवन भविष्य में न्यायिक व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त एवं सुविधायुक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक संसाधनों एवं सुविधाओं से युक्त यह भवन न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुचारू बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इसका प्रमुख उद्देश्य आमजन को समयबद्ध, सुलभ एवं निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं से समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन को पारदर्शी न्याय दिलाने का आह्वान किया। साथ ही युवा महिला अधिवक्ताओं को न्यायिक क्षेत्र में आगे आने एवं अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करने का संदेश दिया। माननीय संरक्षक न्यायाधीष आशुतोष कुमार ने कहा कि नवीन भवन के निर्माण से बार एवं बेंच के साथ-साथ आम नागरिकों को भी न्यायिक सेवाओं में अधिक सुविधा एवं सुगमता प्राप्त होगी। जिला एवं सेशन न्यायाधीश रवि वर्मा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस नवीन भवन के निर्माण से तालुका स्तर की न्याय व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा न्यायिक कार्यों के संचालन में और अधिक दक्षता आएगी।

चिकित्सा, पेयजल, राजस्व एवं जल संरक्षण कार्यों का लिया जायजा

चुप्पी तोड़

नीमराणा। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बुधवार को नीमराणा उपखण्ड का सघन दौरा कर चिकित्सा सेवाओं, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था, राजस्व कार्यों तथा जल संरक्षण एवं भू-जल संचयन से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएचसी नीमराणा एवं शाहजहांपुर, उपखण्ड एवं तहसील कार्यालय सहित मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एवं वाटरशेड विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों का मौके पर पहुंचकर अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

समर कंटिंजेंसी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

जिला कलक्टर ने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए पीएचईडी अधिकारियों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, खराब हैंडपंपों को प्राथमिकता से ठीक करने तथा जल जीवन मिशन एवं समर कंटिंजेंसी कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। आवश्यकता वाले स्थानों पर टैंकर से पेयजल आपूर्ति करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। संपर्क पोर्टल के परिवादों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर सिस्टम स्थापना हेतु अधिकाधिक किसानों एवं आमजन को जागरूक किया जाए। साथ ही बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने पर जोर दिया। दौरे के दौरान जिला कलक्टर ने सीएचसी नीमराणा एवं शाहजहांपुर का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गर्मी एवं लू-तापघात से बचाव हेतु अस्पतालों में आवश्यक तैयारियां सुदृढ़ रखने, ओआरएस एवं आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था, दवा वितरण व्यवस्था, जांच सुविधाओं एवं वार्डों का निरीक्षण किया तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। जिला कलक्टर ने दवा भंडार कक्ष का अवलोकन कर आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने नीमराणा सीएचसी प्रभारी को समय पर अस्पताल पहुंचने, पूर्ण स्टाफ क्षमता के साथ कार्य करने एवं संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए फटकार लगाई। वहीं शाहजहांपुर सीएचसी में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करने, एएनसी पंजीयन समय पर सुनिश्चित करने तथा संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिए।

उपखण्ड एवं तहसील कार्यालय में लंबित प्रकरणों की समीक्षा

जिला कलक्टर ने उपखण्ड एवं तहसील कार्यालय नीमराणा की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर अभिलेखों एवं दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेकर पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। दौरे के दौरान जिला कलक्टर ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत संचालित जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 एवं वाटरशेड विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों में तेजी लाने तथा वर्षा जल संचयन के प्रति आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक शशी कुमार यादव की ओर से महारानी प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा ग्राम/ पोस्ट-बूढ़वाल, तहसील- बहरोड़, जिला-अलवर (राज.) 301709 से प्रकाशित | प्रबन्ध सम्पादक-आशा
सम्पर्क सूत्र- +91-8209100941 (किसी भी प्रकार के वाद-विवाद का निपटान क्षेत्र बहरोड़ (अलवर) राज.न्यायालय ही मान्य होगा।)